क्रम

निवेदन 5

□ **राजनीतिक विचार**

जनप्रतिनिधियों की आवाज़ का महत्व 9

देशी राज्यों का भविष्य-प्रश्नोत्तर 14

शिकार का कानून और देशी राज्य 17

तब और अब :

सार्वजनिक भावना 22

राजा का व्यक्तित्व 28

राजा और ब्रिटिश गवर्नमेंट 41

□ **शिक्षा विषयक विचार**

शिक्षा विषयक विचार 49

क्षत्रिय कॉलेज की योजना 50

दीवान कृष्णगढ़ को पत्र 52

तकनीकी शिक्षा हेतु विद्यार्थियों को जापान भेजने की स्कीम 55

शिक्षा–सुधार : एक पत्र 61

□ **विचार बिन्दु**

विचार–बिंदु 65

दहेज के पत्र : जामाता के नाम 66

पुत्री के नाम 69

शिक्षा (पुत्री के नाम) 72

विचार (पत्र) 75

मोटी मोटी बातें 76

एकता का विषय स्वदेशी है 78

मनुष्य मात्र के हृदय के ठोस सिद्धान्त 81

शक्ति का पीठ स्थान बदल चुका 82

स्वधर्म 83

दुःख और सुख 83

ग्राम-सुधार 84

☐ श्रद्धांजलि

उदयराज उज्ज्वल 89

बारहठ कान्हीदान, देशनोक 90

ठाकुर अक्षयसिंह रत्नू 90

रावल नरेन्द्रसिंह 91

लक्ष्मणस्वरूप त्रिपाठी 92

श्री कृष्णदत्त शास्त्री 93

नारायणसिंह सेवाकर 94

यशकर्ण खिड़िया 95

नंदकिशोर 'नवाब' सांदू 95

ठा. बलवंतसिंह बारहठ 96

कुं. सवाईसिंह धमोरा 96

गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' 97

ठाकुर रामसिंह राठौड़ 98

☐ परिशिष्ट

"चेतावणी रा चूंग्ट्या" के सम्बन्ध में राव गोपालसिंह खरवा का पत्र 99

कॉल्विन का जयपुर नरेश को लिखा पत्र 102

☐ हस्तलिपि व चित्र

हजारीबाग जेल से जामाता को लिखा पत्र 105

आजन्म कारावास के बाद पुत्री को लिखा प्रेरक पत्र 106-107

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पत्र 108-109

राजपूत जाति का मरसिया 110-111

हजारीबाग जेल से मुक्ति के बाद 112

कुंवर केसरीसिंह बारहठ युवावस्था में 113

बारहठजी सन् 1931 ई. में 114

कुं. प्रतापसिंह की मातेश्वरी माणिक कुंवर 115

स्व. केसरीसिंह बारहठ 116